ओम् शान्ति

गॉडली बैंक

अव्यक्त बापदादा (31/12/2001)

''सर्व विश्व के, बापदादा के अति प्यारे अति मीठे बच्चों को बापदादा यही इशारा देते हैं कि अभी अपने इस ब्राह्मण जीवन में अमृतवेले से लेकर रात तक बचत का खाता बढ़ाओ। जमा का खाता बढ़ाओ। हर एक अपने कार्य के प्रमाण अपना प्लैन बनाओ, जो भी ब्राह्मण जीवन में खज़ाने मिले हैं, उस हर एक खजाने की बचत वा जमा का खाता बढ़ाओ क्योंकि बापदादा ने आज वर्ष के अन्त तक चारों ओर के बच्चों की रिजल्ट देखी। क्या देखा? जान तो गये हो। बापदादा जानते हैं कि सर्व खज़ाने जमा करने का समय सिर्फ अब संगम है। इस छोटे से युग में जितना जमा किया उसी प्रमाण सारा कल्प प्रालब्ध प्राप्त करते रहेंगे। अब नहीं तो कब नहीं। सबसे बड़े ते बड़ा खजाना इस ब्राह्मण जीवन की श्रेष्ठता का आधार है – संकल्प का खजाना, समय का खजाना, शक्तियों का खजाना, ज्ञान का खजाना।''

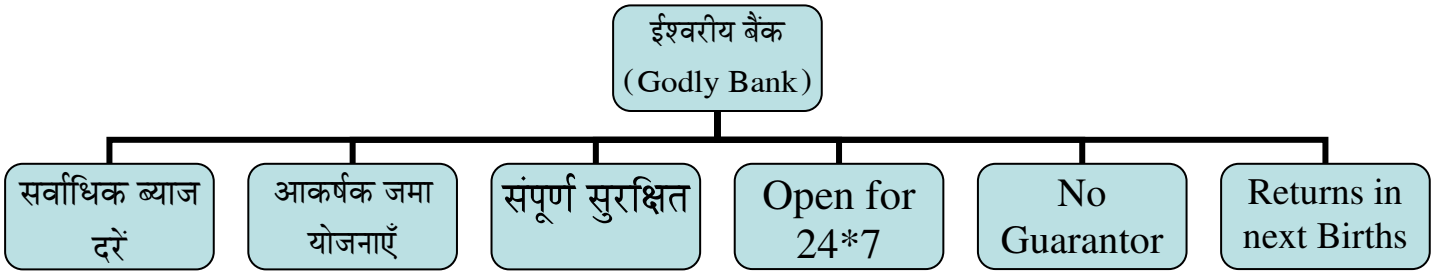

- **क्या-क्या जमा कर सकते हैं :**
  1. तन द्वारा 2.मन द्वारा 3.धन द्वारा 4.सम्बन्ध द्वारा 5.वाचा द्वारा 6.साधन द्वारा 7.स्थान द्वारा
- **मुद्रा - दुआएँ**
- **दुआएँ किन-किन से :** स्व, बापदादा, लौकिक, अलौकिक, अन्य आत्माएँ, प्रकृति, प्राणी आदि

खातों के प्रकार	1. चालू खाता	2. बचत खाता	3. सावधि जमा खाता	4. स्थायी जमा खाता
A. व्यवहार	दिन में अनेक बार	सीमित व्यवहार	अल्प व्यवहार	गिने-चुने व्यवहार
B. ब्याज दर	नहीं	1000 गुणा	पद्मगुणा	पद्मापद्म गुणा
C. रिटर्न	इसी जन्म में	अगले एक जन्म तक	21 जन्म तक	सारे कल्प तक
D. सुविधाएँ	ऑवरड्राफ्ट	सावधि जमा में हस्तांतरण	समयावधि से पहले उपयोग पर ब्याज नहीं	एक बार निकालने पर पुन: जमा नहीं होता

❖ **चालू खाते में होने वाले व्यवहार:-**

जमा (Credit)	नाम (Debit)
1. दैनिक सेवा कार्य	1.आलस्य एवं अलबेलेपन से
2. हाँ जी का पाठ	2. कार्य समय पर न करने से
3. मन का मौन	3. कार्य में भूलें एवं भूलने का स्वभाव
4. मधुर बोल	4. आवाज से हँसना
5. आत्म-अभिमानी स्थिति	5. दूसरों से दुख लेना
6. बाबा से गुडमार्निंग	6. बहानेबाजी
7. ट्रैफिक कंट्रोल के योग	7. जोश वा रोब में आकर बोलना
8. बाबा से गुडनाइट	

❖ **बचत खाते में होने वाले व्यवहार:-**

जमा (Credit)	नाम (Debit)
1. दैनिक सेवा कार्य में नवीनता एवं विशेषता	1. दैनिक सेवा कार्य को अरुचि व अनमने भाव से करना
2. अपनी धारणायें जिनके कारण संपर्क में आने वाली ब्राह्मण आत्मायें निर्विघ्न आगे बढ़ती जायें	2. अपने गलत व्यवहार से अन्य आत्माओं के व्यर्थ संकल्प चलाने के निमित्त बनना
3. तन की सेवा से सबको सुख पहुँचाना, हार्ड वर्क	3. सेवा में असावधानी एवं लापरवाही
4. चाल-चलन देवताओं सा	4. चाल-चलन असुरों सा
5. बेहद की शुभभावना एवं शुभकामना	5. व्यर्थ, नेगेटिव व असत्य बोल
6. धन से सेवा	6. नेगेटिव संकल्प
7. महायज्ञ में सेवा	7. क्या, क्यूँ, कैसे, किसलिए की उलझन
8. यज्ञ के धन की बचत करना	8. यज्ञ के धन का अपव्यय
9. दिन भर स्वमान के नशे में रहना	9. अमृतवेला सोये रहना
10. मुरली क्लास	10. मुरली क्लास में नहीं जाना
11. भोजन पवित्र हाथ का एवं याद में करना	11. अपवित्र भोजन
12. वाचा सेवा	

❖ **सावधि जमा खाते में होने वाले व्यवहार:-**

जमा (Credit)	नाम (Debit)
1. बाप समान चाल-चलन, चेहरा जिससे वारिस आत्माओं का जन्म हो 2. कोई नवीन सेवा जिसे सारा ब्राह्मण परिवार लाभान्वित हो जैसे चित्र, कोर्स, पुस्तक, विशेष सेवा प्लान आदि 3. सुन्दर-सुन्दर योग के गीत-कॉमेन्ट्री द्वारा सेवा 4. हड्डी सेवा 5. आवश्यकता के समय धन देना 6. गुण व शक्तियों का दान	1. कर्मेन्द्रियों से विकर्म कर लेना 2. ऐसा कर्म जिससे ब्राह्मण आत्मायें ज्ञान में चलना छोड़ दें

❖ **स्थायी जमा खाते में होने वाले व्यवहार:-**

जमा (Credit)	नाम (Debit)
1. यज्ञ में संपूर्ण समर्पण 2. तीन पैर पृथ्वी देकर ईश्वरीय सेवाओं में सहयोगी बनना 3. भगवान को पहचानना एवं उसका बनना 4. मन्सा संपूर्ण श्रीमत अनुसार 5. संपूर्ण ट्रस्टी 6. अन्य आत्माओं को समर्पित कराना	1. ट्रेटर बन जाना 2. तीन पैर पृथ्वी देकर वापस लेना 3. ब्राह्मण कुल को बदनाम करना 4. ऐसा कर्म जिससे समर्पित आत्मायें यज्ञ छोड़ दें 5. बाबा को फारकती देना

प्रतिदिन चेक करें कि आज इस ईश्वरीय बैंक के कौन-कौन से एकाउन्ट में मैंने व्यवहार किया और कितना जमा हुआ। क्या सतयुग में ऊँच पद पाने के लिए इतना काफी है?